सीखने की संप्राप्ति

आधारित

प्रश्न-कोश

सातवीं कक्षा के लिए

आमुख

सीखने की संप्राप्ति आधारित प्रलेख

बच्चा विद्यालय में प्रवेश करने से पूर्व अपने निजी अनुभव, परिवेश व विचार से अपनी भाषा गढ़ता है। इस गढ़ी भाषायी पूँजी को विद्यालयीय स्तर पर उपयोग कर, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के अन्तर्गत भाषा के चारों कौशल अर्थात् श्रवण-वाचन-पठन-लेखन के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के तत्त्वाधान में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के अन्तर्गत निर्धारित पुस्तकों पर आधारित उपलब्धि परीक्षण, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के सरलीकरण, शिक्षार्थी से वाञ्छित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सीखने की सम्प्राप्तियाँ कक्षावार निर्धारित की गई हैं। यह प्रलेख राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार) के विद्यालयीय शिक्षा के गुणात्मक सुधार की निरन्तरता में सीखने की सम्प्राप्ति आधारित एक प्रयास है।

प्रलेख सम्बन्धी विवरण :

१. यह प्रलेख कक्षा प्रथम से आठवीं के लिए निर्धारित हिन्दी पाठ्यक्रम से सम्बन्धित है।
२. यह प्रलेख कक्षा प्रथम से आठवीं के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यानगत कर, सीखने की सम्प्राप्तियों पर आधारित हैं।
३. इसे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को सरल करने व छात्र केन्द्रित बनाने के उद्देश्य को दृष्टिगत कर सृजित किया गया है।
४. प्रत्येक अध्याय के प्रारम्भ में सम्बन्धित सीखने की सम्प्राप्तियाँ टंकित की गई हैं।
५. इस प्रलेख की विषय-वस्तु, सीखने की सम्प्राप्तियों हेतु सुझावात्मक प्रारुप है। अध्यापक अपने स्तर पर इस सातत्यता/निरन्तरता में निजी प्रयास हेतु स्वतन्त्र है।
६. इसकी संरचना तर्कसंगत और तथ्यपूर्ण है।
७. इस प्रलेख संरचना में स्व-स्व मतिभिन्न विषयक, व्याकरणिक त्रुटि सम्भव है तथा त्रुटिजन्य सुझाव जो सुधीजनों से अपेक्षित, इस प्रलेख को और भी परिमार्जित करने में सहायक सिद्ध होंगे।
८. इस प्रलेख के परिमार्जन में आपके मूल्यवान सुझाव व टिप्पणियाँ, इसके आगामी संस्करण की उत्कृष्टता व गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रलेख सृजन समिति

विषय : **हिन्दी (सीखने की सम्प्राप्ति आधारित प्रलेख)** कक्षा : **पहली से आठवीं**

मुख्य समन्वयक : **श्रीमती रंजना श्रीवास्तव**
प्राचार्या, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 8, चण्डीगढ़

सृजन समिति : **सुदेश वधावन**
संकुल संसाधक समन्वयक, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,
सैक्टर – 45, चण्डीगढ़

गायत्री सांगवान
संकुल संसाधक समन्वयक, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,
रायपुर खुर्द, चण्डीगढ़

अंजू ठाकुर
संकुल संसाधक समन्वयक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,
सैक्टर – 38 (वैस्ट), चण्डीगढ़

बृज रानी
शिक्षिका, राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चण्डीगढ़

दिनेश चन्द्र
शिक्षक, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सैक्टर – 12, चण्डीगढ़

जसविन्दर कौर
शिक्षिका, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 22 ए,
चण्डीगढ़

गजराज सिंह
शिक्षक, राजकीय उच्च विद्यालय, सैक्टर – 53, चण्डीगढ़

राकेश दहिया
शिक्षक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 38 (वैस्ट),
चण्डीगढ़

राजकुमार
शिक्षक, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सैक्टर – 12, चण्डीगढ़

साधना
शिक्षिका, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 8, चण्डीगढ़

अजीत
शिक्षक, राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चण्डीगढ़

पीयूष अग्रवाल
शिक्षक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 28, चण्डीगढ़

सहयोग : **श्री सत्यवान**
शिक्षक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 8, चण्डीगढ़

कक्षा - 7
हिन्दी

क्रमांक	पाठ सूची	पृष्ठ संख्या
1.	सीखने की संप्राप्ति	6
2.	हम पंछी उन्मुक्त गगन के	10
3.	दादी माँ	12
4.	हिमालय की बेटियाँ	13
5.	कठपुतली	14
6.	मिठाईवाला	15
7.	रक्त और हमारा शरीर	16
8.	पापा खो गए	17
9.	शाम एक किसान	19
10.	चिड़िया की बच्ची	20
11.	अपूर्व अनुभव	22
12.	रहीम के दोहे	23
13.	कंचा	24
14.	तिनका	25
15.	खान-पान की बदलती तसवीर	26
16.	नीलकण्ठ	27
17.	भोर और बरखा	29
18.	वीर कुँवर सिंह	30
19.	संघर्ष के कारण मैं तुनक मिजाज हो गया	31
20.	आश्रम का अनुमानित व्यय	32
21.	विप्लव-गायन	33
22.	उपलब्धि पत्रक	34

सीखने की संप्राप्ति मानक

कक्षा 7

H701. विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।

H702. किसी सामाग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगती, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।

H703. किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक,सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।

H704. पढ़ी गई सामाग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं।

H705. अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और कोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं।

H706. विविध कलाओं, जैसे प्रयोग होने वाली भाषा के बारे मेऊ जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हे समझने का प्रयास करते हैं।

H707. विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्रकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रक्रिया देते हैं, जैसे बरसातर के दिनों में हरा भरा होना? विषय पर चर्चा।

H708. विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्रकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं।, जैसे- जात, धर्म, रंग, जेंडर, रीति- रिवाज़ो के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।

H709. सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं।

H710. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं।

H711. पढ़ी गई सामाग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

H712. विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

H713. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे- वर्णनात्मक, भावात्मक,प्रकृति चित्रण आदि।

H714. किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामाग्री, जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।

H715. विविध कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला करते हुए उसकी सराहना करते हैं।

H716. भाषा की बारीकियों/ व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे- किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग-आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल-रेल जैसे प्रयोग।

H717. विभिन्न अवसरों/ संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे- अपने गाँव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत।

H718. हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामाग्री (समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामाग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामाग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।

H719. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

H720. विभिन्न विषयों और उद्धेश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम-चिन्हों एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसा-काल, क्रिया विशेषण, शब्द-युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

H721. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में लिखित रूप से तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।

H722. भित्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह लो सामाग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।

विषय- हिन्दी

कक्षा- सातवीं

मास	पाठयक्रम	सीखने की संप्राप्ति
अप्रैल	पाठ -1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के	H701, H702, H704, H709, H710, H711, H712, H713, H714, H716, H719
	पाठ-2 दादी माँ	H702, H705, H707, H709, H712
मई	पाठ-3 हिमालय की बेटियाँ	H701, H702, H703, H704, H707, H709, H710, H711, H712, H713, H714, H715, H716, H717, H718
	पाठ-4 कठपुतली	H702, H703, H704, H710, H712, H713, H715, H716, H719
	पाठ-5 मिठाईवाला	H702, H704, H705, H709, H711, H713, H717
जुलाई	पाठ-6 रक्त और हमारा शरीर	H703, H704, H709, H711, H712, H713, H722
	पाठ-7 पापा खो गए	H701, H703, H707, H713, H717, H719, H720
अगस्त	पाठ-8 शाम एक किसान	H701, H702, H703, H707, H711, H713, H716
	पाठ-9 चिड़िया की बच्ची	H701, H702, H704, H707, H709, H711, H712, H717, H718, H719, H720
	पाठ-10 अपूर्व अनुभव	H702, H706, H709, H710, H7120, H713, H714, H717, H718
अक्तूबर	पाठ-11 रहीम के दोहे	H702, H703, H704, H705, H707, H710, H711, H719, H720, H722
	पाठ-12 कंचा	H702, H703, H709, H712, H713, H716, H719, H720
नवम्बर	पाठ-13 तिनका	H703, H705, H709, H711, H713, H716
	पाठ-14 खान-पान की बदलती तसवीर	H701, H702, H703, H704, H707, H709, H710, H711, H712, H713, H714, H715, H716, H717, H718

	पाठ-15 **नीलकण्ठ**	H705, H706, H709, H710, H712, H713, H715, H718, H722
दिसम्बर	**पाठ-16** **भोर और बरखा**	H702, H703, H711, H712, H713, H717, H719, H722
	पाठ-17 **वीर कुँवर सिंह**	H706, H709, H714, H719, H721
जनवरी	**पाठ-18** **संघर्ष के कारण मैं तुनक मिजाज हो गया**	H701, H704, H710, H718, H719
	पाठ-19 **आश्रम का अनुमानित व्यय**	H701, H704, H706, H710, H714, H718
फरवरी	**पाठ-20** **विप्लव-गायन**	H704, H709, H711, H713, H716, H719
फरवरी	दोहराई (पुनरावृत्ति)	

कक्षा 7

1 - हम पंछी उन्मुक्त गगन के

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H701, H702, H704, H709, H710, H711, H712, H713, H714, H716, H719

प्रश्न 1. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें –

“हम पंछी उन्मुक्त गगन के
पिंजरबद्ध न रह पाएँगे,
कनक-तीलियों से टकराकर
पुलकित पंख टूट जाएँगे।”

i) पक्षी पिंजरे में बंद होकर क्यों नहीं गा पाएँगे?

ii) “कनक-तीलियों” का क्या अर्थ है?

iii) पक्षियों को किन-किन करणों से पाला जाता है?

(क) पक्षी प्रेमी होने के कारण (ख) व्यापार के लिए

(ग) कैद करने हेतु (घ) पक्षियों को लड़ाने हेतु

iv) पंक्तियाँ पूरी करो-
हम बहता जल पीने वाले
....

v) पक्षियों को पिंजरे में बंद करके रखा जाना चाहिए या खुला छोड़ देना चाहिए, अपने विचार व्यक्त करें।

प्रश्न 2. पशु-पक्षियों का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है?

प्रश्न 3. कविता का सार अपने शब्दों में लिखो।

प्रश्न 4. कविता से संज्ञा शब्द छाँटो।

प्रश्न 5. अधोलिखित वाक्यों के सामने सही (✓) या गलत (x) का चिह्न लगाओ-

i) पक्षियों के पंख सख्त नहीं होते हैं। ☐

ii) यह पाठ एक कहानी है। ☐

iii) पक्षी आसमान में स्वच्छंदता से उड़ना चाहते हैं। ☐

iv) पक्षी आसमान की सीमा तक उड़ना चाहते हैं। ☐

प्रश्न 6. बच्चों को अपने-अपने परिवार का परिचय देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

कक्षा 7

2 - दादी माँ

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H702, H705, H707, H709, H712

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

"रोता क्यों है रे!" दादी माँ ने उनका माथा सहलाते हुए कहा, "मैं तो अभी हूँ ही।" उन्होंने सन्दूक खोलकर एक चमकती-सी चीज़ निकाली, "तेरे दादा ने यह कंगन मुझे इसी दिन के लिए पहनाया था।" उनका गला भर आया, "मैंने इसे पहना नहीं, इसे सहेजकर रखती आई हूँ। यह उनके वंश की निशानी है" उन्होंने आँसू पोंछकर कहा, "पुराने लोग आगा-पीछा सब सोच लेते थे, बेटा ।"

i) दादी माँ ने सन्दूक खोल कर चमकती-सी कौन-सी चीज़ निकाली?

(क) कंगन (ख) संदूक (ग) वंश (घ) चारपाई

ii) "पुराने लोग आगा-पीछा सब सोच लेते थे" इस पंक्ति का अर्थ लिखो।

iii) इसे सहेजकर रखती आई हूँ। रेखांकित शब्द का वाक्य में प्रयोग करो।

iv) लिंग बदलो - दादी, भाई, नाती, मौसी

प्रश्न 2. दादी माँ के स्वभाव के बारे में अपने विचार व्यक्त करो।

प्रश्न 3. आपकी माताजी बीमार है। उनकी देखभाल हेतु अपने विद्यालय के लिए मुख्य अध्यापक/ प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखो।

प्रश्न 4. पाठ में किशन के विवाह के दौरान औरतें रात-रात भर गीत गाती हैं। आपके घर परिवार में विवाह आदि के अवसरों पर कौन-कौन से गीत गाए जाते हैं।

प्रश्न 5. दादी द्वारा बीमार लेखक के मुँह में चबूतरे की मिट्टी डाले जाने को आप किस रूप में देखते हैं?

प्रश्न 6. भारतीय राष्ट्रीय पंचांग के अनुसार हिंदी महीनों के नाम क्रमानुसार लिखो।

कक्षा 7

3 – हिमालय की बेटियाँ

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H701, H702, H703, H704, H707, H709, H710, H711, H712, H713, H714, H715, H716, H717, H718

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

कहाँ ये भागी जा रही हैं? वह कौन लक्ष्य है जिसने इन्हें बेचैन कर रखा है? अपने महान पिता का विराट प्रेम पाकर भी अगर इनका हृदय अतृप्त ही है तो वह कौन होगा जो इनकी प्यास मिटा सकेगा! बरफ़ जली नंगी पहाड़ियाँ, छोटे-छोटे पौधों से भरी घाटियाँ, बंधुर अधित्यकाएँ, सरसब्ज उपत्यकाएँ, ऐसा है इनका लीला निकेतन! खेलते-खेलते जब ये जरा दूर निकल जाती हैं तो देवदार, चीड़, सरो, चिनार, सफेदा, कैल के जंगलों में पहुँचकर शायद इन्हें बीती बातें याद करने का मौका मिल जाता होगा। कौन जाने, बुढ़ा हिमालय अपनी इन नटखट बेटियों के लिए कितना सिर धुनता होगा! बड़ी-बड़ी चोटियों से जाकर पूछिए तो उत्तर में विराट मौन के सिवाय उनके पास और रखा ही क्या है?

i) यहाँ किसके भागने की बात हो रही है?
(क) हिमालय (ख) घाटियों (ग) नदियों (घ) चोटियों
ii) हिमालय की कुछ बेटियों के नाम बताओ।
iii) वचन बदलो- पहाड़ियाँ, घाटियाँ, बेटियाँ।
iv) 'सिर धुनना' - वाक्य प्रयोग कीजिए।

प्रश्न 2. खेलते-खेलते जब ये जरा दूर निकल जाती है तो हिमालय सिर धुनता है, आप जब कहीं दूर जाते हैं और वापसी में देरी हो जाती है तो आपके अभिभावक कैसे चिन्तित होते हैं?

प्रश्न 3. पाठ से विशेषण और विशेष्य शब्द ढूँढ़कर लिखें।

प्रश्न 4. हिमालय अपनी बेटियों के लिए चिन्तित है, आज के समय में बेटियों की सुरक्षा के बारे में आप क्या सोचते हैं?

प्रश्न 5. पाठ में जितनी नदियों का वर्णन आया है उनके विषय में विस्तार से जानकारी एकत्रित करें।

प्रश्न 6. दिनों-दिन नदियों में बढ़ती हुई गंदगी को दूर करने के क्या उपाय किए जा सकते हैं?

प्रश्न 7. मेलों में आपने क्या-क्या देखा है? कक्षा में चर्चा करो।

कक्षा 7

4 - कठपुतली

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H702, H703, H704, H710, H712, H713, H715, H716, H719

प्रश्न 1. पद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

कठपुतली
गुस्से से उबली
बोली-यह धागे
क्यों है मेरे पीछे- आगे?
इन्हें तोड़ दो;
मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो।

i) कठपुतली को किस बात पर गुस्सा है?

ii) 'पाँवों पर छोड़ देना' का क्या अर्थ है?

(क) ऊपर से गिरा देना (ख) आज़ाद कर देना (ग) पैर छोड़ देना (घ) पैर पड़ना

iii) ‘पीछे - आगे जैसे कुछ और शब्द युग्म लिखें।

iv) ‘ये कैसी इच्छा मेरे मन में जगी’ कठपुतली ऐसा क्यों सोचती है?

प्रश्न 2. पाठ में कठपुतलियाँ पराधीन हैं, आप किन दशाओं में स्वयं को पराधीन पाते हैं?

प्रश्न 3. हमारा देश 15 अगस्त 1947 को स्वाधीन हुआ, कुछ स्वाधीनता सेनानियों के विषय में संक्षिप्त जानकारी इकट्ठी करें।

प्रश्न 4. आशय स्पष्ट करें : “मुझे मेरे पाँवो पर छोड़ दो”।

प्रश्न 5. शब्दों का वाक्य में प्रयोग करें - इच्छा, गुस्सा।

प्रश्न 6. काव्यांश में रेखांकित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखें।

प्रश्न 7. ख़रीदारी से सम्बन्धित अनुभव कक्षा में साझा करें।

कक्षा 7

5 - मिठाईवाला

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H702, H704, H705, H709, H711, H713, H717

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

> मिठाईवाले का **स्वर** उसके लिए परिचित था, **झट से** रोहिणी नीचे उतर आई। उस समय उसके पति मकान में नहीं थे। हाँ, उनकी वृद्धा दादी थी। रोहिणी उनके निकट आकर बोली- "दादी, चुन्नू-मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है। **जरा** कमरे में चलकर ठहराओ। मैं उधर कैसे जाऊँ, कोई आता न हो। **जरा** हटकर मैं भी **चिक** की ओट में बैठी रहूँगी"।

i) 'जरा कमरे में चल कर ठहराओ' यह वाक्य कौन-किससे कह रहा है?

ii) गद्यांश के रेखांकित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखें।

iii) पहले बच्चे खिलौने, मुरली/बाँसुरी से खुश हो जाते थे। आज के तकनीकि दौर में बच्चा किन -किन चीजों को पाकर खुश हो जाता है?

iv) मिठाई वाले की आवाज़ का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता था?

v) शुद्ध शब्द लिखें - युवतीयाँ, पूलकीत, समृती, शंसय।

प्रश्न 2. कहानी में मिठाईवाला अलग - अलग चीज़े बेचता है, और बहुत दिनों बाद आता है, मधुर स्वर में गाकर बेचता है। यदि वह प्रतिदिन एक ही चीज़, कठोर/नीरस स्वर में गाकर बेचे तो क्या परिणाम होंगे? चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3. आप मिठाई की दुकान पर खड़े हैं और वहाँ देखते हैं कि कोई बच्चा पैसे के अभाव में मिठाई नहीं खरीद पा रहा है, ऐसी दशा में आप क्या करेंगे?

प्रश्न 4. वर्ण-विच्छेद करो- एनीमिया, भानुमती, कुर्सी, प्रवेश।

प्रश्न 5. सही (√) या गलत (X) का निशान लगाएँ।

i) मिठाईवाला एक अमीर आदमी था। ☐

ii) कहानी में खिलौनेवाला सबसे अन्त में आया। ☐

iii) दादी ने मिठाईवाले को घर बुलाया। ☐

iv) रोहिणी मिठाईवाले का स्वर पहचानती थी। ☐

v) मुरलीवाला मोटा आदमी था। ☐

प्रश्न 6. ऑनलाइन खरीददारी ने फेरीवालों की कमर तोड़ दी है, चर्चा करें।

कक्षा 7

6 – रक्त और हमारा शरीर

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H703, H704, H709, H711, H712, H713, H722

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

> इसे सूक्ष्मदर्शी द्वारा देखें तो यह भानुमती के पिटारे से कम नहीं। मोटे तौर पर इसके दो भाग होते हैं। एक भाग वह जो तरल है, जिसे हम प्लाज़्मा कहते हैं। दूसरा, वह जिसमें छोटे-बड़े कई तरह के कण होते हैं...कुछ लाल, कुछ सफेद और कुछ ऐसे जिनका कोई रंग नहीं, जिन्हें बिम्बाणु (प्लेटलैट) कण कहते हैं। ये कण प्लाज़्मा में तैरते रहते हैं।

i) सूक्ष्मदर्शी यन्त्र से देखने पर रक्त कैसा दिखाई देता है?
ii) प्लाज़्मा किसे कहते हैं?
iii) सफेद रक्त कणों का मुख्य कार्य क्या है?
iv) प्लेटलैट को हिंदी में क्या कहा जाता है?
v) विपरीत शब्द लिखें - तरल, सफेद, सूक्ष्म, छोटा।

प्रश्न 2. पौष्टिक आहार से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 3. रक्तदान की उपयोगिता के विषय में आप अपने आस-पास के लोगों को कैसे जागरूक करेंगे?

प्रश्न 4. वाक्य प्रयोग करें - दस्तक, जिज्ञासा, आहार, सन्तुलित।

प्रश्न 5. रिक्त स्थान भरें –

मज्जा, रोगों, द्रव, मिलीमीटर, लाल

i) लाल रक्त _________ के समान दिखता है।
ii) _________ रक्त में हमें चालीस से पचपन लाख कण मिलेंगे।
iii) हड्डियों के बीच के भाग में __________ होता है।
iv) ___________ की कमी से एनीमिया होता है।
v) सफेद कण हमें ___________ से बचाते हैं।

प्रश्न 6. यदि हमारी आँखें न रहें तो हमें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा?

कक्षा 7

7 – पापा खो गए

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H701, H703, H707, H713, H717, H719, H720

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

अपने पत्तों का कोट पहनकर मुझे सरदी, बारिश या धूप में इतनी तकलीफ़ नहीं होती, तो भी तुमसे बहुत पहले का खड़ा हूँ मैं यहाँ। यहीं मेरा जन्म हुआ - इसी जगह। तब सब कुछ कितना अलग था यहाँ। वहाँ के, वे सब ऊँचे- ऊँचे घर नहीं थे तब। यह सड़क भी नहीं थी। वह सिनेमा का बड़ा-सा पोस्टर और उसमें नाचनेवाली औरत भी तब नहीं थी। सिर्फ़ सामने का यह समुद्र था। बहुत अकेलापन महसूस होता था। तुम्हें जब यहाँ लाकर खड़ा किया गया तो सोचा, चलो कोई साथी तो मिला - इतना ही सही। लेकिन वो भी कहाँ? तुम शुरू - शुरू में मुझसे बोलने को ही तैयार नहीं थे। मैंने बहुत बार कोशिश की, पर तुम्हारी अकड़ जहाँ थी वहीं कायम! बाद में मैंने भी सोच लिया, इसकी नाक इतनी ऊँची है तो रहने दो। मैंने भी कभी आवाज़ नहीं लगाई, हाँ अपना भी स्वाभाव जरा ऐसा ही है।

i) 'चलो कोई साथी तो मिला-इतना ही सही' कौन, किससे और कब कहता है?

ii) 'इसकी नाक इतनी ऊँची है तो रहने दो' का आशय स्पष्ट करो।

iii) किसे धूप और सर्दी से परेशानी नहीं होती और क्यों?

iv) विलोम शब्द लिखें - सर्दी, धूप, शुरू, ऊँचा।

v) वाक्य प्रयोग करें - महसूस, तकलीफ़, कोशिश, स्वभाव।

प्रश्न 2. रिक्त स्थान भरो-

तूफ़ान, चिट्ठियाँ, बोरियत, चुंगी, घबरा

i) रात को बड़ी _______________ होती है।

ii) _________ की नौकरी भी कोई नौकरी है।

iii) बाप रे! कैसा था वो आँधी - पानी का _____।

iv) सभी __________ मेरे ही तो कब्जे में होती है।

v) मैं बहुत _________ गई थी उस दुष्ट आदमी से।

प्रश्न 3. पाठानुसार वाक्यों को क्रम से लगाएँ –

- थोड़ी देर बाद सुबह हो जाएगी। ☐
- रात को बड़ी बोरियत होती है। ☐
- पेड़ की ओट में लड़की को डाल देता है। ☐
- लाल ताऊ बोल रहा हूँ। ☐

प्रश्न 4. आप सब्ज़ी लेने के लिए सब्जी मण्डी गए हैं। सब्ज़ी मण्डी में ख़रीदारी करते हुई विक्रेता से हुए वार्तालाप को संवाद रूप में लिखें।

प्रश्न 5. शाम के समय आप क्या - क्या करते हैं? अपने साथियों से साझा करें।

कक्षा 7

8 - शाम एक किसान

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H701, H702, H703, H707, H711, H713, H716

प्रश्न 1. पद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

आकाश का साफ़ा बाँधकर
सूरज की चिलम खींचता
बैठा है पहाड़,
घुटनों पर पड़ी है नदी चादर - सी
पास ही दहक रही है
पलाश के जंगल की अंगीठी
अन्धकार दूर पूर्व में
सिमटा बैठा है भेड़ों के गल्ले-सा

i) पहाड़ कैसे बैठा है?

ii) <u>'आकाश का साफ़ा बाँधकर'</u> का अर्थ लिखो।

iii) 'अन्धकार <u>दूर पूर्व</u> में' रेखांकित शब्द के विपरीत शब्द लिखो।

iv) उपरोक्त पंक्तियों में आपने प्रकृति के किन रूपों का अनुभव किया।

v) रास्ते पर पड़ी है रस्सी _______________ सी? अपनी कल्पना से तुकबंदी करें।

प्रश्न 2. पशु-पक्षियों की महत्ता पर कक्षा में चर्चा करें।

प्रश्न 3. प्राकृतिक सुन्दरता को व्यक्त करता हुआ चित्र बनाएँ।

प्रश्न 4. वाक्य प्रयोग करें - आवाज, अंगीठी, आकाश, अन्धेरा।

प्रश्न 5. अचानक बोला मोर।
जैसे किसी ने आवाज दी - सुनते हो
चिलम औंधी, धुआँ उठा - सूरज डूबा
अन्धेरा छा गया।

i) '<u>सुनते हो</u>' वाक्यांश में किसे सम्बोधित किया गया है?

(अ) किसान (ब) मोर (स) भेड़ (द) पहाड़

ii) उपरोक्त पंक्तियों में संज्ञा शब्द छाँटकर लिखें।

iii) सूरज और मोर शब्दों के तत्सम रुप लिखें।

iv) पहाड़, जंगल, किसान शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखें।

v) सुनते हो ___________________ खाली स्थान भरें।

कक्षा 7

9 - चिड़िया की बच्ची

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H701, H702, H704, H707, H709, H711, H712, H717, H718, H719, H720

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

माधवदास ने संगमरमर की नई कोठी बनवाई है। यह बहुत सुहावना बगीचा भी लगवाया है। फूल – पौधे, रकाबियों से हौजों में लगे फव्वारों में उछलता हुआ पानी उन्हें बहुत अच्छा लगता है।

i) इन पंक्तियों में किसका चित्रण है।
(क) गाँव का (ख) किसान का (ग) प्रकृति का (घ) होली का

ii) यह पंक्तियाँ किस विधा से हैं।
(क) नाटक से (ख) संस्कृत से (ग) कहानी से (घ) शब्दकोश से

iii) माधवदास कैसे व्यक्ति हैं।
(क) क्रोधी (ख) प्रकृति प्रेमी (ग) कंजूस (घ) दानी

iv) माधवदास ने अपनी कोठी को कैसे सँवारा/सजाया? और आप अपने सपनों की कोठी को कैसे सँवारेंगे?

प्रश्न 2. पद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

'चाह नहीं मैं सुरबाला के
गहनों में गूंथा जाऊँ
चाह नहीं प्रेमी माला में
बिंध प्यारी को ललचाऊँ
चाह नहीं सम्राटों के शव पर
हे हरि, डाला जाऊँ
मुझे तोड़ लेना वनमाली
देना उस पथ पर तुम फेंक
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जाएँ वीर अनेक।' (पुष्प की अभिलाषा)

i) इन पंक्तियों में किस भाव की चर्चा है?
(क) आतंकवाद की (ख) सम्राट की दौलत (ग) भ्रष्टाचार की (घ) मातृभूमि के प्रेम की

ii) उपरोक्त पंक्तियाँ किस विधा की हैं?
(क) कहानी (ख) नाटक (ग) कविता (घ) समाज

iii) '<u>चाह और चढ़ाने</u>' शब्दों से मिलते-जुलते दो-दो शब्द लिखें।

iv) फूल किसके गहनों में नहीं गुथनें की चाह रखता है?

(क) मधुबाला (ख) सम्राट (ग) वनमाली (घ) सुरबाला

प्रश्न 3. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

चिड़िया पहले तो असावधान रही। फिर जानकर कि बात उससे की जा रही है, वह एकाएक तो घबराई। फिर संकोच को जीतकर बोली, "मुझे मालूम नहीं था कि यह बगीचा आपका है। मैं अभी चली जाती हूँ। पलभर साँस लेने मैं यहाँ टिक गई थी"।

i) वर्ण - विच्छेद करो- बगीचा, आपका।

ii) शुद्ध करें - चहचहाता, तृपति, भाँति-भाति।

iii) वचन बदलो- चिड़िया, बगीचा।

iv) विलोम शब्द लिखें - असावधान, जीत।

प्रश्न 4. मौखिक अभिव्यक्ति के लिए सभी बच्चों को अपने किसी सुखद अनुभव को बताने के लिए प्रेरित किया जाए।

कक्षा 7

10 - अपूर्व अनुभव

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H702, H706, H709, H710, H7120, H713, H714, H717, H718

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

> उस समय द्विशाखा पर खड़ी तोत्तो - चान द्वारा यासुकी - चान को पेड़ की ओर खींचते अगर कोई बड़ा देखता तो वह जरूर डर के मारे चीख उठता। उसे वे सच में जोखिम उठाते ही दिखाई देते। पर यासुकी – चान को तोत्तो - चान पर पूरा भरोसा था और वह खुद भी यासुकी – चान के लिए भारी खतरा उठा रही थी। अपने नन्हे-नन्हे हाथों से वह पूरी ताकत से यासुकी- चान को खींचने लगी। बादल का एक टुकड़ा बीच - बीच में छाया करके उन्हें कड़कती धूप से बचा रहा था।

i) यासुकी - चान और तोत्तो - चान कौन-सा जोखिम उठा रहे थे?

ii) उन्हें कड़कती धूप से कौन बचा रहा था?

iii) '<u>कड़कती</u>' शब्द जैसे कुछ और शब्द बनाएँ।

iv) वर्ण-विच्छेद करें - यासुकी, देखता, द्विशाखा, जोखिम

v) '<u>खतरा उठाना</u>'- वाक्य प्रयोग करें।

प्रश्न 2. आप अपने किसी अपूर्व अनुभव के बारे में कक्षा को बताएँ।

प्रश्न 3. कहानी आगे बढ़ाओ, यदि पेड़ पर चढ़ने/चढ़ाने के क्रम में कुछ अनहोनी हो जाती तो.....

प्रश्न 4. 'तोत्तो – चान' संग्रह की कुछ अन्य कहानियाँ पढ़ें।

प्रश्न 5. एक शब्द के लिए अनेक शब्द लिखो - द्विशाखा, तिपाई, तिरंगा, वार्षिक।

प्रश्न 6. कहानी की घटनाओं को क्रमवार में लिखें -

- वह तिपाई सीढ़ी को घसीटकर ले आई। ☐
- बच्चे अपने - अपने पेड़ को निजी सम्पत्ति मानते थे। ☐
- रॉकी उसके पीछे - पीछे स्टेशन तक आया। ☐
- पेड़ मानो गीत गा रहे थे और दोनों बेहद खुश थे। ☐

प्रश्न 7. कहानी के अन्त में है कि पेड़ मानो गाने गा रहे थे। आप कोई कविता याद करें और गाएँ।

कक्षा 7

11 - रहीम के दोहे

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H702, H703, H704, H705, H707, H710, H711, H719, H720, H722

प्रश्न 1. पद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।
रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़ति छोह।।
तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियत न पान।
कहि रहीम परकाज हित, संपति-संचहिं सुजान।।

i) <u>“कहि रहीम परकाज हित, संपति-सचहिं सुजान”</u> पंक्ति का आशय स्पष्ट करें।
ii) जल और मछली के स्वभाव में क्या अन्तर है?
iii) पर्यायवाची शब्द लिखें - नीर, मीन, तरु, सरवर।

प्रश्न 2. रहीम के अनुसार धन-दौलत संपन्न होने पर सभी मित्र होने का दावा करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए कृष्ण-सुदामा की मित्रता के बारे में आप क्या सोचते हैं?

प्रश्न 3. कबीर दास के कुछ दोहे याद करके सस्वर सुनाएँ।

प्रश्न 4. वाक्य प्रयोग कीजिए - संपति,कसौटी, निर्धन, धरती।

प्रश्न 5. अपने मनपसन्द खेल के बारे में साथियों को बताएँ।

प्रश्न 6. “थोथे बादर क्वार के,ज्यों रहीम घहरात।
धनी पुरुष निर्धन भए, करे पाछिली बात ।”- पंक्तियों मे विशेषण और विशेष्य शब्द छाँटिए।

कक्षा 7

12 - कंचा

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H702, H703, H709, H712, H713, H716, H719, H720

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

> फिर भी एक नए जार ने उसका ध्यान आकृष्ट किया। वह कंधे से लटकते बस्ते का फीता एक तरफ़ हटाकर उस जार के सामने खड़ा टुकुर-टुकुर ताकता रहा। नया-नया ला कर रखा गया है। उससे पहले उसने वह चीज यहाँ नहीं देखी है। पूरे जार में कंचे हैं हरी लकीर वाले बढ़िया सफेद, गोल कंचे। बड़े आँवले जैसे। कितने खूबसूरत है! अब तक यह यहाँ नहीं थे? शायद दुकान के अन्दर। अब दुकानदार ने दिखाने के लिए बाहर रखा होगा।

i) कंचों का आकार और रंग कैसा है?

ii) 'उस जार के सामने खड़ा टुकुर-टुकुर ताकता रहा'। रेखांकित शब्द को समानार्थी शब्द से बदलें।

iii) उपरोक्त पंक्तियों में संज्ञा और सर्वनाम शब्द छाँटें।

iv) 'बढ़िया' शब्द को वाक्य में प्रयोग करें।

प्रश्न 2. अप्पू कंचों के मोह में इतना खो जाता है कि उसे पाठ का ध्यान ही नहीं रहता, आप अपना अनुभव बताएँ, जब आपके साथ कभी ऐसा हुआ हो।

प्रश्न 3. "राजन ने जाते-जाते पैर में चिकोटी काट ली" कुछ ऐसी ही शरारतों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में विराम चिह्न लगाएँ -

i) सियार कौए से बोला प्यारे कौए एक गाना गाओ न तुम्हारा गाना सुनने के लिए तरस रहा हूँ

ii) मैने कहा न जो चाहते हो वह मैं निकालकर दूँ वह उदास हो खड़ा रहा क्या कंचा चाहिए

कक्षा 7

13 - तिनका

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H703, H705, H709, H711, H713, H716

प्रश्न 1. पद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।

जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

i) आशय स्पष्ट कीजिए-'जब किसी ढब से निकल तिनका गया, तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।'

ii) विपरीत शब्द लिखें - दुःख, समझ, बहुत, मुझे।

iii) कवि की ऐंठन कैसे निकली?

iv) कवि को ताना किसने मारा?

v) '<u>मै झिझक उठा</u>' वाक्य में कौन- सा काल है?

प्रश्न 2. तिनका या घमण्ड पर आधारित कुछ और कविताएँ कण्ठस्थ (यादकर) कर कक्षा में सुनाओ।

प्रश्न 3. आँख में कोई चीज़ पड़ जाने पर क्या-क्या सावधानी बरतनी चाहिए? डॉक्टर या बड़ों से पता करके लिखो।

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्य में शब्दों को सही क्रम में लिखें।

i) मुंडेर पर खड़ा एक दिन था जब।

ii) आँख तिनका मेरी एक में पड़ा।

iii) करो काम यह समझ सोच तुम कर।

प्रश्न 5. त्योहारों पर खान-पान की चीज़ों में मिलावट की खबरें प्रायः सुनने में आती है आप इस मिलावट के जहर से कैसे बच सकते हैं?

कक्षा 7

14 - खान-पान की बदलती तसवीर

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H701, H702, H703, H704, H707, H709, H710, H711, H712, H713, H714, H715, H716, H717, H718

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

स्थानीय व्यंजन भी तो अब घटकर कुछ ही चीजों तक सीमित रह गए हैं। बंबई की पाव-भाजी और दिल्ली के छोले-कुलचों की दुनिया पहले की तुलना में बड़ी ज़रूर है पर अन्य स्थानीय व्यंजनों की दुनिया में छोटी हुई है। जानकार ये भी बताते हैं कि मथुरा के पेड़ों और आगरा के पेठे-नमकीन में अब वह बात कहाँ रही! यानी जो चीज़ें बची भी हुई हैं, उनकी गुणवत्ता में फ़र्क पड़ा है। फिर मौसम और ऋतुओं के अनुसार फलों-खाद्यान्नों से जो व्यंजन और पकवान बना करते थे, उन्हें बनाने की फुरसत भी अब कितने लोगों को रह गई है। अब गृहिणियों या कामकाजी महिलाओं के लिए खरबूजे के बीज सुखाना-छीलना और फिर उनसे व्यंजन तैयार करना सचमुच दुःसाध्य है।

i) "<u>स्थानीय व्यंजनों की दुनिया छोटी हुई है</u>" से आप क्या समझते हैं?

ii) मथुरा के पेड़ों और आगरा के पेठे-नमकीन में अब वह बात कहाँ रही? कथन में 'कहाँ' से आप क्या समझते हैं?

iii) मुंबई और दिल्ली के कौन से व्यंजन प्रसिद्ध हैं?

iv) पाव-भाजी, छोले-कुलचों, पेठे-नमकीन, फल-खाद्यान्न शब्द युग्मों में कौन-सा समास है?

प्रश्न 2. खानपान की वस्तुएँ राष्ट्रीय एकता बढ़ाने में कैसे सहायक है? चर्चा करें।

प्रश्न 3. मौसम और ऋतुओं के अनुसार बनाए जाने वाले स्थानीय व्यंजन और पकवानों की सूची तैयार करें।

प्रश्न 4. रिक्त स्थान भरो –

दक्षिण भारत, पुनरूद्धार, ढोकला, महँगाई,

i) ___________ एक गुजराती व्यंजन है।

ii) इडली-डोसा अब केवल ____________ तक सीमित नहीं हैं।

iii) कमरतोड़ _________________ ने लोगों को कई चीज़ो सें वंचित किया है।

iv) स्थानीय व्यंजनों का _____________ भी जरुरी है।

प्रश्न 5. वाक्य प्रयोग करें – उपलब्ध, सीमित, सुविधा, विपरीत।

कक्षा 7

15 - नीलकण्ठ

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H705, H706, H709, H710, H712, H713, H715, H718, H722

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

दोनों नवागंतुकों ने पहले से रहनेवालों में वैसा ही कुतूहल जगाया जैसा नववधू के आगमन पर परिवार में स्वाभाविक है। लक्का कबूतर नाचना छोड़कर दौड़ पड़े और उनके चारों ओर घूम-घूमकर गुटरगूँ-गुटरगूँ की रागिनी अलापने लगे। बड़े खरगोश सभ्य सभासदों के समान क्रम से बैठकर गंभीर भाव से उनका निरीक्षण करने लगे। ऊन की गेंद जैसे छोटे खरगोश उनके चारों ओर उछलकूद मचाने लगे। तोते मानो भलीभाँति देखने के लिए एक आँख बंद करके उनका परीक्षण करने लगे। उस दिन मेरे चिड़ियाघर में मानो भूचाल आ गया।

i) घर में नवागंतुक कौन है?

ii) नवागंतुकों को एक आँख बंद करके कौन परीक्षण करने लगा?

iii) छोटे खरगोश कैसे लग रहे थे?

(क) बैल जैसे (ख) तितली जैसे

(ग) पंखों जैसे (घ) ऊन की गेंद जैसे

iv) "गुटरगूँ-गुटरगूँ" कबूतर की आवाज़ है। इन पशु-पक्षियों की आवाजें बताएँ - कौआ, मुर्गा, कुत्ता, बिल्ली।

v) वाक्य प्रयोग करें - निरीक्षण, परीक्षण।

प्रश्न 2. नीचे लिखे वाक्यों का पाठ के अनुसार सही क्रम बताएँ-

- नीलकंठ ने स्वयं को सभी का संरक्षक नियुक्त कर लिया। ☐
- मोर के पंखों से दवा बनती है। ☐
- चोंच अधिक बंकिम और पैनी हो गई। ☐
- तीतर है, मोर कहकर ठग लिया है। ☐
- मयूर कलाप्रिय वीर पक्षी है, हिंसक मात्र नहीं। ☐

प्रश्न 3. रिक्त स्थान भरें

नीलकंठ, निवास, बच्चे, अशोक, खोज-ढूँढ

i) मोर के _______________ कहाँ है?

ii) जाली का घर जीव-जन्तुओं का सामान्य _____________ है।

iii) राधा ______________ के समान नहीं आ सकती थी।

iv) ________________ नए लाल पलकों में डूब जाता है।

v) कुब्जा ने कोलाहल के साथ ______________ आरम्भ की।

प्रश्न 4. कहीं घूमते-फिरते आपको कोई घायल पक्षी पड़ा मिल जाए तो आप क्या करेंगे?

प्रश्न 5. वर्षा ऋतु से जुड़ा कोई अनुभव साझा करें।

कक्षा 7

16 - भोर और बरखा

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H702, H703, H711, H712, H713, H717, H719, H722

प्रश्न 1. पद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

जागो बंसीवारे ललना!
जागो मोरे प्यारे!
रजनी बीती, भोर भयो है, घर-घर खुले किंवारे।
गोपी दही मथत, सुनियत हैं कंगना के झनकारे।।
उठो लालजी! भोर भयो है, सुर-नर ठाढ़े द्वारे।
ग्वाल-बाल सब करत कुलाहल, जय-जय सबद उचारै।।
माखन-रोटी हाथ मँह लीनी, गउवन के रखवारे।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, सरण आयाँ को तारै।।

i) आशय स्पष्ट करें : "**गो**पी दही मथत, सुनियत हैं कंगना के झनकारे"।

ii) रात बीत जाने पर माहौल में क्या - क्या बदलाव आए?

iii) द्वार पर कौन खड़े हैं ?
(क) राक्षस (ख) देवता (ग) सुर नर (घ) गोपियाँ

iv) पर्यायवाची शब्द लिखें - रात्रि, बाल, हाथ, प्रभु।

प्रश्न 2. यशोदा 'मोरे प्यारे' आदि कहते हुए बाल कृष्ण को जगाती है। आजकल माएँ बच्चों को क्या कहकर जगाती हैं?

प्रश्न 3. 'भोर और बरखा' कविता से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखें।

प्रश्न 4. वाक्य प्रयोग करें - शीतल, आनन्द, भोर, गिरधर।

प्रश्न 5. श्री कृष्णजी की बाल लीलाओं पर कक्षा मे चर्चा करें।

कक्षा 7

17 - वीर कुँवर सिंह

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H706, H709, H714, H719, H721

प्रश्न 1. पद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

वीर कुँवर सिंह ने ब्रिटिश हुकूमत के साथ लोहा तो लिया ही उन्होंने अनेक सामाजिक कार्य भी किए। आरा जिला स्कूल के लिए ज़मीन दान में दी जिस पर स्कूल के भवन का निर्माण किया गया। कहा जाता है कि उनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी, फिर भी वे निर्धन व्यक्तियों की सहायता करते थे। उन्होंने अपने इलाके में अनेक सुविधाएँ प्रदान की थीं। उनमें से एक है- आरा-जगदीशपुर सड़क और आरा-बलिया सड़क का निर्माण। उस समय जल की पूर्ति के लिए लोग कुएँ खुदवाते थे और तालाब बनवाते थे। वीर कुँवर सिंह ने अनेक कुएँ खुदवाए और जलाशय भी बनवाए।

i) वीर कुँवर सिंह द्वारा कराए गए सामाजिक कार्यों के विषय में लिखें।
ii) वीर कुँवर सिंह ने किससे मुकाबला किया?
iii) वीर कुँवर सिंह की आर्थिक स्थिति कैसी थी?
(क) बहुत अच्छी (ख) नहीं बता सकते (ग) कर्जा बहुत था (घ) अच्छी नहीं थी
iv) मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग करें। - लोहा लेना, मौत के घाट उतारना

प्रश्न 2. हे गंगा मैया! अपने प्यारे की यह अकिञ्चन भेंट स्वीकार करो। यह वाक्य किसने और किस सन्दर्भ में कहा?

प्रश्न 3. सही (√) या गलत (X) का निशान लगाएँ -

i) आन्दोलनकारियों ने 11 मई को दिल्ली पर कब्ज़ा कर लिया। ☐
ii) 1857 के आन्दोलन में कुँवर सिंह का नाम नहीं आता। ☐
iii) 'झाँसी की रानी' कविता में वीर कुँवर सिंह का नाम आता है। ☐
iv) इब्राहिम खान और किफ़ायत हुसैन उनकी सेना में उच्च पदों पर आसीन थे। ☐

प्रश्न 4. वीर कुँवर सिंह पाठ में प्रथम-पुरुष सर्वनाम शब्द ढूँढ़कर लिखें।

प्रश्न 5. विषम परिस्थितियों से जूझकर 'एशियन गेम्स 2018' के पदक विजेताओं के विषय में जानकारीसंग्रहित करें।

कक्षा 7

18 - संघर्ष के कारण मैं तुनक मिजाज हो गया

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H701, H704, H710, H718, H719

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

सबसे अधिक प्रेरणा मुझे अपनी माँ से मिली। उन्होंने हम सब भाई-बहनों में अच्छे संस्कार डालने की कोशिश की। मैं उनके सबसे नजदीक हूँ। मैं चाहे भारत में रहूँ या विदेश में, रोज़ रात में सोने से पहले माँ से ज़रूर बात करता हूँ। मेरी माँ ने मुझे अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता के साथ सँभालने की सीख दी है। मेरी सबसे बड़ी भाभी कविता भी मेरे लिए माँ की तरह हैं और वह भी मेरे लिए प्रेरणा-स्त्रोत रही हैं।

i) धनराज में संस्कार किसने डाले?

ii) रोज रात में सोने से पहले बात करता हूँ, आपकी राय में धनराज ऐसा क्यों करते होंगे?

iii) गद्यांश में कारक छाँटिए और कारक का नाम लिखो।

iv) "मेरी माँ ने मुझे अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता के साथ संभालने की सीख दी है" आशय स्पष्ट करें।

v) धनराज के प्रेरणा स्त्रोत कौन-कौन रहे हैं?

प्रश्न 2. 'मैं बिना लाग लपेट वाला आदमी हूँ। मन में जो आता है, सीधे-सीधे कह डालता हूँ' - ऐसे लोगों के बारे में आपकी क्या राय है?

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों को पाठ के अनुसार क्रमशः लगाएँ-

- मैं पढ़ने में एकदम फिसड्डी था। ☐
- मैंने अपनी जूनियर राष्ट्रीय हॉकी सन 1985 में खेली। ☐
- मेरी पहली कार एक सेकंड हैंड अरमाडा थी। ☐
- हॉकी ही है जिसके चलते हर जगह प्रतिष्ठा मिली। ☐
- 1999 में महाराष्ट्र सरकार ने मुझे मुंबई में एक फ्लैट दिया। ☐

प्रश्न 4. विराम चिह्न लगाएँ –

धनराज पिल्लै के व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए विनीता पांडे ने लिखा है वह आपको कभी रुलाता है कभी हँसाता है कभी विस्मय से भर देता है तो कभी खीझ से भी उसके व्यक्तित्व में कई रंग हैं और कई भाव उसने ठेठ जमीन से उठकर आसमान का सितारा बनने की यात्रा तय की है।

प्रश्न 5. हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है फिर भी दिनों-दिन इस खेल के प्रति रुझान में कमी क्यों आ रही है?

प्रश्न 6. हॉकी खेल से सम्बन्धित तकनीकी शब्दों की जानकारी एकत्रित करें।

कक्षा 7

19 - आश्रम का अनुमानित व्यय

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H701, H704, H706, H710, H714, H718

प्रश्न 1. गद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

मेरी माँग तो यह भी है कि अहमदाबाद मुझे पूरी जमीन और मकान सभी दे दे तो बाकी खर्च मैं कहीं और से या दूसरी तरह जुटा लूँगा। अब चूँकि विचार बदल गया है, इसलिए ऐसा लगता है कि एक वर्ष का या इससे कुछ कम दिनों का खर्च अहमदाबाद को उठाना चाहिए। यदि अहमदाबाद एक वर्ष के खर्च का बोझ उठाने के लिए तैयार न हो, तो उपर बताए गए खाने के खर्च का इन्तज़ाम मैं कर सकता हूँ। चूँकि मैंने खर्च का यह अनुमान जल्दी में तैयार किया है, इसलिए यह सम्भव है कि कुछ मदें मुझसे छूट गई हों। इसके अतिरिक्त खाने के खर्च के सिवा मुझे स्थानीय स्थितियों की जानकारी नहीं है। इसलिए मेरे अनुमान में भूलें भी हो सकती हैं।

i) गांधी जी से ज़मीन और मकान की माँग किसने की?

ii) गांधी जी ने खर्चे का अनुमान कैसे तैयार किया ?

क) जल्दबाजी में ख) हवा हवाई में ग) सोच-समझ कर घ) बहुत देर से

iii) 'चूंकि________ 'इसलिए' शब्दों का प्रयोग करते हुए दो वाक्य बनाओ।

iv) प्रत्यय छाँटिए - स्थानीय, जानकारी, मासिक, अनुमानित

प्रश्न 2. "आश्रम का अनुमानित व्यय" पाठ का उद्देश्य क्या है? लिखिए।

प्रश्न 3. राजमिस्त्री द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले औजारों के नाम लिखो।

प्रश्न 4. वसंत- भाग- 2, पृष्ठ संख्या- 135 से 'हमारी ख्वाहिश' कविता कण्ठस्थ करें।

प्रश्न 5. 'स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान गांधी जी के अमूल्य योगदान' पर एक अनुच्छेद तैयार करें।

कक्षा 7

20 - विप्लव-गायन

सीखने के संप्राप्ति क्रमांक: H704, H709, H711, H713, H716, H719

प्रश्न 1. पद्यांश पढ़कर उत्तर दें -

सावधान! मेरी वीणा में
चिनगारियाँ आन बैठी हैं,
टूटी हैं मिज़राबें, अंगुलियाँ
दोनों मेरी ऐंठी हैं।
कंठ रुका है महानाश का
मारक गीत रुद्ध होता है,
आग लगेगी क्षण में, हृत्तल में
अब क्षुब्ध-युद्ध होता है।

i) आशय स्पष्ट कीजिए -
'सावधान मेरी वीणा में चिनगारियाँ आन बैठी हैं'

ii) पंक्तियों के आधार पर कवि की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

iii) 'मिज़राब' का क्या अर्थ है।

iv) 'सावधान और क्षण' शब्द का प्रयोग करते हुए दो वाक्य बनाएँ।

प्रश्न 2. कवि कैसी तान सुनाना चाहता है?

प्रश्न 3. क्रांति / आह्वान सम्बन्धी कुछ कविताएँ याद करों और प्रार्थना सभा में सुनाओ।

प्रश्न 4. पंक्तियाँ पूरी करों -

कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ-
जिससे उथल-पुथल मच जाए,
____
____

प्रश्न 5. प्राकृतिक आपदाएँ देश के विकास को किस प्रकार अवरुद्ध करती हैं?

उपलब्धि पत्रक

(सुझावात्मक)

संकुल (क्लस्टर) क्रमांक	विद्यालय नाम																			
छात्र नाम	अनुक्रमांक				कक्षा															
सीखने की संप्राप्ति विवरण	अप्रैल		मई		जुलाई		अगस्त		सितम्बर		अक्टूबर		नवम्बर		दिसम्बर		जनवरी		फरवरी	
छात्र उपस्थिति ⇨																				
परिमापक ⇩	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड
गद्य / पद्य वाचन																				
चर्चा																				
चित्र वर्णन																				
संदर्भ स्थापन																				
वाक्य रचना																				
व्याकरण																				
रचनात्मकता																				
शिल्प सौंदर्य																				

नोट : ग्रेड रिपोर्ट कार्ड के अनुसार